



साधारण दिखने वाले लोग ही दुनिया के सबसे अच्छे लोग होते हैं। यहीं वजह है कि भगवान ऐसे बहुत से लोगों का निमण करते हैं।

-अब्राहम लिंकन

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

परेड का पूर्वाभ्यास



पुलिस लाइन के मैदान में 26 जनवरी को आयोजित होने वाली परेड में शामिल होने के लिए पूर्वाभ्यास के पहले दिन बैंड की धूम पर मार्च पास्ट करते सीएमएस छात्र, सेना के जवानों की टुकड़ी और महिला पुलिस की टुकड़ी।

• अमृत विचार

शहर में आज

● सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था जीएस रस्टर 11 और इम्पल्स सिने एंटरटेनमेंट्स के संयुक्त त्वावधान में कला-संस्कृति के क्षेत्र में विभूतियों का समान समारोह वृद्धान रेस्टोरेंट सेक्टर - 6 में दोपहर 1:45 बजे।

● सेक्टर-6 में वृद्धान रेस्टोरेंट में सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था जीएस रस्टर 11 और इम्पल्स सिने एंटरटेनमेंट्स के संयुक्त त्वावधान में समान समारोह का आयोजन 1:45 बजे।

● अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में डोरेसी द्वारा के विटर थिएटर प्रोडशन की ओर से कार्यक्रम कानूनियों की गांधी-सीजन-2 का आयोजन 3:00 बजे।

● संगीत नाटक अकादमी में लेट अस गिव होप फाउंडेशन की ओर से कार्यालयों का आयोजन 11:30 बजे।

● रोहित भवन स्पूमार्ग हजरतगंज में राष्ट्रीय सनातन संसाधनों के बैठक केन्द्रीय कार्यालय का आयोजन 2:30 बजे।

● जीएस इंजीनियरिंग मैट्रिस समाज पार्टी का प्रश्नांजल 1:00 बजे।

● पाठक/आयोजक अपने कार्यक्रम की सूचना हमें lko.editor@amritvichar.com और वाट्सप्प नंबर 9455224760 पर भी भेज सकते हैं।

बवाल की आशंका के चलते केजीएमयू परिसर बना छावनी

महिला रेजिडेंट डॉक्टर प्रकटन को लेकर उपद्रव, कुलपति कार्यालय में तोड़फोड़ के बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आ गया। परिसर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। शनिवार को केजीएमयू पूरी तरह छावनी में तब्दील नजर आया। मुख्य द्वार से लेकर कुलपति कार्यालय तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा।

पैथोलॉजी विभाग की एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर पर शरीर के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव और यौन शोषण के आरोपों को लेकर केजीएमयू में पिछले कीवी दो सप्ताह से माहील तानावपूर्ण बना हुआ है। इस दौरान तीन से चार बार अराजकतावों और हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों द्वारा परिसर में हांगामा, बवाल तथा अधिकारियों के साथ और महिला डॉक्टरों से अभद्रता और महिला और मारपीट की शक्ति की ओर से बार-बार अपील के बावजूद स्थिति नियंत्रित

शुक्रवार को हालात और गंभीर हो गए। केजीएमयू प्रशासन का आरोप है कि राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के समर्थकों सहित अन्य उपद्रवी तत्वों ने कुलपति कार्यालय पर कब्जा कर लिया, जमकर तोड़फोड़ की शक्ति की ओर से अभद्रता और महिला डॉक्टरों से अभद्रता की। प्रशासन की ओर से लेकर कुलपति और कुलसचिव की ओर से अभद्रता और महिला डॉक्टरों से अभद्रता की। प्रशासन की ओर से बार-बार अपील के बावजूद स्थिति नियंत्रित

नहीं हो सकी, जिसके बाद पुलिस से मदद मांगी गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस उपद्रवियों पर काबू पा सकी।

शासन और प्रशासन की तीखी किरकिरी के बाद पुलिस ने केजीएमयू परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त की दी। मुख्य गेट से लेकर कुलपति और कुलसचिव कार्यालय तक पुलिस बल की आई और हालात पर कड़ी निगरानी रखी गई।

पुलिस रेंजर शासन से आने-जाने वाले संदर्भ लोगों से पूछताछ की गई और हूँड में आने वाले युवाओं की तलाशी ली गई। ट्रॉमा सेंटर, शताब्दी भवन, ओपीडी, गांधी वार्ड और पैथोलॉजी विभाग के आसपास पुलिस ने लगातार गश्त की। पूरे दिन केजीएमयू में पुलिस चौकनी नजर आई और हालात पर कड़ी निगरानी रखी गई।

पुलिस को तहरीर दी गई है, लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज होने की सूचना नहीं मिली है। डॉक्टर ने बताया कि पुलिस को तहरीर दी गई है, लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज होने की सूचना नहीं मिली है।

नहीं दर्ज हुई रिपोर्ट, आक्रोश

■ पुलिस के रैये को लेकर केजीएमयू में नारजीगी है। केजीएमयू प्रशासन ने शुक्रवार शाम उपद्रवियों के खिलाफ शूक्र थाने में तहरीर दी थी, लेकिन 24 घंटे बाद भी आपरियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होने से सका। प्रशासन को कहा है कि पुलिस को घटना से जुड़े सहायता देने वाले युवाओं की जानकारी है और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में यह दुष्प्रभावपूर्ण घटना हुई। इसके बावजूद कार्रवाई न होने से डॉक्टरों और कर्मचारियों में गुस्सा है। प्रक्रिया डॉ. केरे सिंह ने बताया कि पुलिस को तहरीर दी गई है, लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज होने की सूचना नहीं मिली है। डॉक्टर ने जल्द बैठक कर आदोलन की बेतावनी दी है।

उद्देशने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर इस तरह की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं और इससे स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था प्रभावित होती है। आईएमए ने स्पष्ट किया कि डॉक्टर और कर्मचारी पहले ही दबाव में काम करते हैं, ऐसे में सुरक्षा में लापरवाही बढ़ाते हैं। उनके बावजूद कार्रवाई न होने से डॉक्टरों और कर्मचारियों में गुस्सा है। प्रक्रिया डॉ. केरे सिंह ने बताया कि पुलिस को तहरीर दी गई है, लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज होने की सूचना नहीं मिली है। डॉक्टर ने जल्द बैठक कर आदोलन की बेतावनी दी है।

4.80 लाख मतदाताओं को जारी होगा नोटिस

तीन गांवों में 15 करोड़ की जमीन कराई अतिक्रमणमुक्त

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

● 2003 की मतदाता सूची में नाम होने से नहीं हो पायी थी मैरिंग

● सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण जारी करेंगे नोटिस

माता-पिता या दादा-दादी में से किसी का देना होगा इपिक नंबर

■ मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची में नाम होने का कारण बताने के साथ अपने माता-पिता, दादा-दादी में से किसी का इपिक नंबर, राज्य, विधानसभा क्षेत्र, मतदाता केंद्र और बूथ का नाम भी देना होगा। जिससे मतदाता का उनसे मिलान किया जा सके।

महिला मतदाताओं के सामने आ रही समस्या

■ एसआईआर के दौरान राजनीती में विशेषकर महिला मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची में नाम होने की समस्या थी। ये महिलाएं विवाह होने के बाद दूसरे जिले या राज्य से लखनऊ आ गयीं और यहां मतदाता बन गईं। विवाह से पूर्व उनके मूल निवास स्थल पर उनका 2003 की मतदाता सूची में नाम भी दर्ज नहीं था। या उस समय उनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण नहीं हुई थी। इससे एसआईआर फार्म में महिलाएं 2003 की मतदाता सूची का विवरण नहीं भर सकीं।

लखनऊ के सहायक जिला विवरण न मिल पाने से मैरिंग नहीं हो पाई है। इन मतदाताओों को जल्द ने बताया कि करीब 4.80 लाख ही नोटिस जारी करके जबाब देना होगा। माता-पिता या दादा-दादी में से किसी का इपिक नंबर देना होगा।

निर्वाचक अधिकारी अध्ययन निवाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के साथ अपने नाम देना होगा। जिससे मतदाताओं की एसआईआर फार्म में 2003 की मतदाता सूची का विवरण नहीं भर सकी।



ग्राम हरिहरपुर में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर निगम की टीम।

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : नगर निगम और तहसील प्रशासन ने शनिवार को सरोजीनी नगर तहसील के ग्राम अमौसी, हरिहरपुर और बिरुरा में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया।

अपर नगर आयुक्त राज्य निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज होने की सूचना नहीं मिली है। डॉक्टर ने जल्द बैठक कर आदोलन की बेतावनी दी है।

ग्राम हरिहरपुर में खसरा संख्या 440 और 433 की भूमि अतिक्रमणमुक्त कराई।

ग्राम बिरुरा संख्या 346 की करीब 3 करोड़ मूल्य की 0.190 भूमि अतिक्रमणमुक्त कराई।

ग्राम हरिहरपुर में खसरा संख्या 440 और 433 की भूमि अतिक्रमणमुक्त कराई।

ग्राम अमौसी में खसरा संख्या 346 की करीब 9.24 करोड़ की भूमि अतिक्रमणमुक्त कराई।

ग्राम अमौसी में खसरा संख्या 343 की करीब 0.3557 करोड़ भूमि खाली कराई।

ग्र

